सर्वसाधारण को हर्षपूर्वक सूचित किया जाता है कि 1 जुलाई 1927 को स्थापित आगरा विश्वविद्यालय (अब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा) के लिए कुलगीत का निर्धारण कर लिया गया है ।

इसके निर्धारण के लिए आज अपराह्न 2:00 बजे संस्कृति भवन में माननीय कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक जी की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया था , जिसमें ललित कला संस्थान के वरिष्ठ संगीत शिक्षक पंडित देवाशीष गांगुली द्वारा स्वरबद्ध रूप में सभी सदस्यों के समक्ष इसका गायन किया गया ।

बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने ध्वनिमत से गांगुली जी द्वारा विरचित कुलगीत को विश्वविद्यालय के कुलगीत के रूप में स्वीकार करने की संस्तुति प्रदान की ।

बैठक में कुलसचिव श्री संजीव कुमार सिंह , वित्त अधिकारी श्री ए के सिंह , परीक्षा नियंत्रक श्री अजय कृष्ण यादव , प्रति कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा , प्रोफेसर विनीता सिंह , ललित कला संस्थान की निदेशक डॉ इंदु जोशी , प्रोफेसर प्रदीप श्रीधर, प्रोफेसर उमेश चंद शर्मा प्रोफेसर संजय चौधरी प्रोफेसर वीके सारस्वत डॉक्टर बीडी शुक्ला उपस्थित थे और विषय विशेषज्ञ के रूप में बैकुंठी देवी कन्या महाविद्यालय से संगीत विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अलका सिंह और डॉ अमिता शर्मा जी उपस्थित रहीं ।

कुलगीत की ऑडियो क्लिप और मूल पाठ सर्वसाधारण के अवलोकन हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जा रहा है ।

यदि किसी सम्मानित नागरिक को इस संबंध में किसी भी प्रकार का कोई सुझाव देना है तो वह 28 मार्च 2022 को अपराहन 3:00 बजे तक कुलसचिव कार्यालय में उपस्थित होकर अपना सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं ।

कुलगीत

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय , आगरा

ज्ञान ज्योति से सदा प्रकाशित

उच्च शिक्षा का स्थान आलोकित

शिक्षा समाज में अति प्रतिष्ठित

जिसका ध्येय वाक्य चहुं गुंजित।

तमसो मा ज्योतिर्गमय

डॉ भीमराव आंबेडकर

आगरा विश्वविद्यालय।।

(1)

विश्व गुरु भारत देश की

धरती पर उत्तर प्रदेश की

कृष्ण लीला की धरती पावन

जमुना जहां बहती मनभावन

उन्नीस सौ सत्ताइस में स्थापित

एक जुलाई से राज्य अधिशासित

देश का प्राचीन ज्ञानालय

डॉ भीमराव आंबेडकर

आगरा विश्वविद्यालय

भाषा कला विज्ञान वाणिज्य

विषयों के उत्तम संस्थान

योग्य प्रशासन,उत्तम शिक्षण,

शिक्षार्थियों का हित संरक्षण

जनसेवा में नित्य समर्पित

उपलब्धियां होती रहती नित

सत संकल्प से नव का उदय डॉक्टर भीमराव आंबेडकर आगरा विश्वविद्यालय

स्वरचित शब्द एवं स्वरबद्ध रचना

पंडित देवाशीष गांगुली,

विषय विशेषज्ञ संगीत गायन विभाग,

ललित कला संस्थान डॉक्टर भीमराव आंबेडकर आगरा विश्वविद्यालय

पुनर्लेखन 13.02.2022